<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

28 जुलाई, 2015

<u>श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी ने भूतपूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के निधन पर निम्नलिखित बयान जारी किया है :–</u>

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व व करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से हम भारत के महान सपूत भूतपूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम को कोटि कोटि श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं। आज पूरा देश शोकाकुल है, व उनके परिवारजनों को हम सब हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। उनकी मृत्यु न केवल हमारे देश बल्कि पूरी मानवता के लिए एक गहरा आघात है।

डॉ. कलाम ने देश को राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के श्रीमति इंदिरा गांधी के सपने को पूरा करने में बड़ा योगदान दिया। यह गर्व का विषय है, कि उन्होंने सुप्रीम कमांडर के रूप में हमारे रक्षा प्रतिष्ठान का नेतृत्व किया।

तमिलनाडु के रामेश्वरम में छोटी सी शुरुआत के बाद डॉ. कलाम अपने समर्पण और कठोर मेहनत के बलबूते हमारे देश के राष्ट्रपति के पद तक पहुंचे। डॉ. कलाम राष्ट्रपति बनने वाले पहले वैज्ञानिक थे और उन्होंने दोनों ही पदों पर हमारे देश की अतुलनीय सेवा की।

डॉ. कलाम ने भारतीय अंतरिक्ष शोध संस्थान के वाहन प्रक्षेपण कार्यक्रम (इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाईज़ेशन के लॉन्च वेहिकल प्रोग्राम) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत के उपग्रह कार्यक्रम और घरेलू विकसित गाईडेड एवं बैलिस्टिक मिसाईल तकनीक के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण उन्हें 'मिसाईल मैन' की लोकप्रिय उपाधि दी गई। देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में उन्होंने बहुत बड़ा योगदान दिया और उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए हमारे देश का पूरा सुरक्षा ढांचा उनका ऋणी है।

डॉ. कलाम विनम्रता, अखंडता और महानता की प्रतिमा थे। उनमें सदैव बालसुलभ उत्सुकता और उत्साह बना रहा।

राष्ट्रपति के रूप में अपनी दूरदर्शी सोच के साथ उन्होंने स्वयं को इनोवेशन के विकास और युवाओं को राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रेरित करने के महान लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अपने जीवन का हर क्षण हमारे युवाओं को भारत के विकास के लिए समर्थ बनाने में लगा दिया। आईआईएम शिलांग में विद्यार्थियों के बीच अपनी अंतिम सांस तक वे यही करते रहे।

डॉ. कलाम महान देशभक्त थे और उनका जीवन हमारे महान राष्ट्र के लिए उनके प्यार और प्रतिबद्धता का सच्चा प्रमाण है।

हमारे दिलों, खासकर युवाओं और बच्चों के दिलों में हमेशा उनका एक विशेष स्थान रहेगा। हमारे देश के लिए उनका अभूतपूर्व समर्पण और निस्वार्थ सेवा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।